A–0451

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MASL–508

M.A. Sanskrit (MASL)

नाटक एवं नाट्यशास्त्र भाग-02

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. एको रसः करुण एव इस उक्ति की विस्तृत व्याख्या कीजिए।
2. उत्तररामचरित की नाटकीय विशेषताएँ बताइये।
3. भवभूति और कालिदास की तुलना कीजिए।

4. निम्नलिखित श्लोकों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए–

(क) कन्यायाः किल पूजयन्ति पितरो जामातु राप्त जनं
सम्बन्धे विपरीतमेव तदभूदाराधनं ते मयि।
त्वं कालेन तथाविधेऽस्यपहृतः सम्बन्धबीजं च तद्
घोरेऽस्मिन् मम जीवलोकनरके पापस्य धिग्जीवितम्॥

(ख) ददतु तरवः पुष्पैरर्घ्यं फलैश्च मधुश्च्यूतः
स्फुटितकमलामोदप्रायाः प्रवान्तु वनानिलाः।
कलमविरलं रज्यत्कण्ठाः क्वणन्तु शकुन्तयः
पुनरिदमयं देवो रामः स्वयं वनमागतः॥

5. उत्तर राम चरित के पात्रों की मनोवैज्ञानिक विशेषताएँ लिखिये।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सीता निर्वासन से दुःखित जनक की दशा का वर्णन कीजिये।
2. 'कारुण्यं भवभूतिरेव तनुते' इस कथन की व्याख्या कीजिए।
3. नाटक की उपयोगिता एवं स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
4. भवभूति द्वारा रचित नाटकों का परिचय दीजिए।
5. उत्तर रामचरित के आधार पर राम का चरित्र चित्रण कीजिए।
6. उत्तर रामचरित की कथावस्तु की विवेचना कीजिए।
7. उत्तर रामचरित के प्रथम अंक का सार लिखिए।
8. श्री राम को भेजे गये वसिष्ठ के सन्देश का विश्लेषण कीजिए।

****